उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

एकल विषय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम्

विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी
Subject Code : CSSST
कोर्स कोडः सी.एस.एस.एस.टी 01
Course Code : CSSST-01

Course Title : भर्तृहरिकृत् नीतिशतकम् (30 श्लोक पर्यन्त)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों में से किसी दो श्लोक का हिन्दी मे अनुवाद कीजिए – 6

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ख) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावदर्शनाश्वासि।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।।

(ग) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना –
माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।

ख) दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।
अवहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भा शमीमिव।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी दो सूक्ति की व्याख्या कीजिए – 6

(क) सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।
(ख) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।
(ग) अर्थो हिकन्या परकीय एव।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं समय पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें – 2
i) आकाशभाषित ii) नान्दी iii) जनान्तिक iv) विषकम्भक

प्रश्न–6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

प्रारभ्यते न खलु विध्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विध्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

प्रश्न–8 भर्तृहरि ने विद्वत्पद्धति के विषय में क्या कहा है ? 2

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

एकल विषय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त) छन्दोऽलंकार मंजूषा **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी– 02**

Course Title : **Course Code : CSSST-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) तटस्थं नैराश्यादपि च कलुषं विप्रियवशा
द्वियोगे दीर्घेऽस्मिञ्झटितिघटनात्स्तम्भितमिव।
प्रसन्नं सौजन्याद दयितकरुणैर्गाढकरुणं
द्रिवीभूतं प्रेम्णा तव हृदयमस्मिन्क्षण इवं ।।

ख) यथेच्छंभोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्.गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसो योग्यमशनं
फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

विश्वंभरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि!पार्थिवानां,
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वयं च।।

प्रश्न–3 निम्नलिखत सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– 6

क) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।

ख) तीर्थोदकं च वहिनश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2

यमक, अनुप्रास, अतिश्योक्ति, व्यतिरेक

प्रश्न–5	किन्हीं दो छन्दों का लक्षण स्पष्ट कीजिए– आर्या, उपेन्द्रवज्रा, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी।	2
प्रश्न–6	महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व–कर्तृत्व पर प्रकाश डालिये।	2
प्रश्न–7	वज्रादयि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि इस कथन की समीक्षा कीजिए।	2
प्रश्न–8	निम्नलिखित श्लोक में छन्द एवं अलंकार बताइए। सम्बन्धिनो वसिष्ठादीनेष तातस्तवार्चति। गौतमश्च शतानन्दो जनकानां पुरोहितः ।।	2
प्रश्न–9	अलंकार का लक्षण स्पष्ट करते हुए अलंकार सम्प्रदाय का विवेचन कीजिए।	2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

एकल विषय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : बाणभट्टकृत कादम्बरी कथामुखम् **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी –03**

Course Title : (अगस्त्याश्रमवर्णन पर्यन्त) **Course Code : CSSST-03**

सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 6

यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं
चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु
दृढबन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः,
छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु
रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु
गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण,
–कवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि
सार्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च
परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भङ्गः, नूपुरेषु
मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि
धूमेनाश्रूपातस्तुरङ्गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।

प्रश्न–2 निम्नलिखित उक्ति की व्याख्या कीजिए – 6
'वाणी बाणो बभूव'

प्रश्न–3 '' अजाद्यतष्टाप्'' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से संज्ञाओं का विधान करने वाले तीन सूत्रों की व्याख्या कीजिए। 2
क) संहिता ख) अनुनासिक ग) पद घ) इत् ड.) संयोग

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 2
क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

ख) येनाङ्गविकारः
ग) स्पृहेरीप्सितः
घ) भीत्रार्थानां भयहेतु

प्रश्न–6 निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए : 2
क) कृष्णेकत्वम्
ख) उपैति
ग) होतृकारः
घ) उपोषति

प्रश्न–7 निम्नलिखित में से किसी दो सूत्र की व्याख्या कीजिए – 6
i) हलन्त्यम् ii) आद्गुणः, iii) लोपःशाकल्यस्य

IV) एङ्. पदान्तादति V) अनेकाल् शित्सर्वस्य

प्रश्न–8 निम्नलिखित का सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि बताइये – 6
i) सुद्ध्युपास्यः ii) वागीशः iii) हरिश्शेते

प्रश्न–9 निम्नलिखित शीर्षक में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 6
i) वेदानां महत्त्वम्
ii) विद्ययाऽमृतमश्नुते
iii) कश्चित् संस्कृतकविः
iv) आचारः परमो धर्मः

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

एकल विषय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : वेद चयनम् , कठोपनिषद् ,अनुवाद **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी –04**

Course Title : **Course Code : CSSST-04**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए।

क) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। 6
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठदृशाड.गुलम्।।

ख) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत्।
यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य महाना स जनास इन्द्रः ।।

ग) आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उद्भिदः।
देवा नो यथा सदभिद्वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं एक मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

क) येंय प्रेते विचिकित्सा मनुख्ये अस्तीत्येके नायमस्तीति चैके।
एतद्विद्यामनुशिष्टस्त्वयाहं वराणामेव वरस्तृतीयः।।

ख) स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनारित
न तत्र त्वं जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाऽशनाया पिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

ग) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं
वरस्तु में वरणीयः स एव।।

प्रश्न–3 'विश्वेदेवा' सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	किन्हीं चार पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – क्रतवः, रजन्त्म्, तर्पणीयः, उरुगाय,	2
प्रश्न–5	वेदांग किसे कहते हैं? वेदांगों पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।	2
प्रश्न–6	कठोपनिषद् के वर्ण्य विषय पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–7	ऋग्वेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।	2
प्रश्न–8	किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।	4

क) प्रयाग के चारों ओर वन हैं।
ख) राम पिता का अनुकरण करता है।
ग) स्त्री को आभूषण अच्छा लगता है।
घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।
ड.) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए।
च) हिमालय भारतवर्ष के उत्तर की ओर स्थित है।
छ) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं।
ज) शत्रु आँख से काना है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

एकल विषय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत | विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : CSSST**
कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र | कोर्स कोड सी.एस.एस.एस.टो.–08
Course Title : | **Course Code : CSSST-08**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मट के काव्य लक्षण में आए 'सगुणौ' पद की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–2 आचार्य विश्वनाथ के वाक्य के स्वरूप की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–3 साहित्यदर्पण के अनुसार लक्षण शक्ति पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 i. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो
न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।।

प्रश्न–5 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–6 'अभिघालक्षणामूला शब्दस्य व्यञ्जना द्विधा' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–7 'न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः'– इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–8 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 2

प्रश्न–9 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर गुप्तचर के गुणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2